



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 4
PART II—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 10]

नई दिल्ली, शनिवार, अगस्त 11, 1990/श्रावण 20, 1912

No. 10]

NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 11, 1990/SRAVANA 20, 1912

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

रक्षा मंत्रालय

प्रतिसूचना

नई दिल्ली, 10 अगस्त, 1990

का.नि.आ. 11(2) -- राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 509 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, रक्षा अनुसंधान और विकास सेवा नियम, 1979 का और संशोधन करने के लिये निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् --

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम रक्षा अनुसंधान और विकास सेवा (संशोधन) नियम, 1990 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त हों।

2. रक्षा अनुसंधान और विकास सेवा नियम, 1979 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है) में --

(1) नियम 2 के उपनियम (1) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखा जायेगा, अर्थात् --

(1) "मूल्यांकन बोर्ड" से नियम 8 के उपनियम (2) के अधीन गठित बोर्ड अभिप्रेत है।

(2) उक्त नियमों के नियम 9 में खण्ड (9) के पश्चात् निम्नलिखित खण्ड जोड़े जायेंगे, अर्थात् --

"(10) 'आन्तरिक छंटनी समिति' से प्रोत्पत्ति के लिये वैज्ञानिकों की गोपनीय निष्पादन मूल्यांकन वाली रिपोर्टों का मूल्यांकन करने के प्रयोजन के लिये नियम 8 के उपनियम (2) के अधीन गठित समिति अभिप्रेत है।

(11) "पेपर समिति" के नियम 8 के उपनियम (2) के अधीन गठित समिति अभिप्रेत है।

(12) "विद्या शाखा" में वह विषय शामिल है जिसमें वैज्ञानिकों का प्रोत्साहित के लिये मूल्यांकन किया जाता है।

(3) उक्त नियमों के नियम 8 में, उपनियम (2) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखा जायेगा, अर्थात्—

"(2) (क) सेवा में एक श्रेणी से अगली उच्चतर श्रेणी में प्रोत्ति लचीली पूरक स्कीम के अधीन की जायेगी। वैज्ञानिक "च" के स्तर पर प्रोत्ति गोपनीय निष्पादन मूल्यांकन रिपोर्टों के मूल्यांकन और मूल्यांकन माशाह्वार के आधार पर और वैज्ञानिक "च" से "छ" तक के लिये प्रोत्ति गोपनीय निष्पादन मूल्यांकन रिपोर्टों के मूल्यांकन और पीयर समिति द्वारा निधरण के आधार पर की जायेगी। अनुसूची 1ए और 1ख में विनिर्दिष्ट रूप से गठित आन्तरिक छंटनी समिति न्यूनतम तीन वर्षों की आवासी कालावधि के पूरा होने पर वैज्ञानिक "ब" की और न्यूनतम चार वर्षों की आवासी कालावधि के पूरा होने पर वैज्ञानिक "ग", "घ" और "ङ" की और न्यूनतम पांच वर्षों की आवासी कालावधि के पूरा होने पर वैज्ञानिक "क" की, जैसा उस वर्ष के 30 जन को हो, जिससे मूल्यांकन बोर्ड संबंधित है गोपनीय निष्पादन मूल्यांकन रिपोर्टों को पुनर्विचार करेगी। आन्तरिक छंटनी समिति मूल्यांकन बोर्ड द्वारा विचार किये जाने के लिये वैज्ञानिकों की पात्रता का विनिश्चय करने के लिये अपनी स्वयं की कसौटी बनायेगा और वैज्ञानिकों को औचित्य अक देगा। मूल्यांकन के लिये वैज्ञानिकों की पात्रता का विनिश्चय करने हुए आन्तरिक छंटनी समिति नीचे प्रणित कगौटी का अनुसरण करेगी।

(i) आन्तरिक छंटनी उस श्रेणी में कम से कम पांच वर्षों की गोपनीय निष्पादन मूल्यांकन रिपोर्टों पर आधारित होनी और गोपनीय निष्पादन मूल्यांकन रिपोर्टों में 60 प्रतिशत औमय अंकों में कम प्राप्त करने वाले वैज्ञानिक निधरण के लिये पात्र नहीं होंगे।

(ii) मूल्यांकन के लिये पात्रता के लिये अहक सेवा सीढ़ी अती किये जाने वाले व्यक्तियों या ऐसे प्रोत्तों के लिये जो 1 जुलाई के पञ्चास अपने नियंत्रण से परे कारणों से कार्यभार संभालते हैं, तीन मास तक णिधता की जायेगी।

(iii) व्यक्तिगत आधारों पर अनुधारण छुट्टी के सिवाय उपमोस की गई सभी प्रकार की छुट्टी की गणना प्रोत्ति की पात्रता के लिये अहक सेवा के रूप में की जायेगी।

(iv) ऐसे व्यस वैज्ञानिक विभागों से, जहां लचीली पूरक स्कीम लागू है, रखा अनुसंधान और विकास सेवा में उनी श्रेणी में प्रतिनियुक्ति पर किया वैज्ञानिक के स्थायी आमेलन की दशा में, उनी श्रेणी में (जिसके अंतर्गत मूल विभाग भी है) उस वैज्ञानिक की सम्पूर्ण सेवा की गणना आवासी कालावधि के लिये की जायेगी। यदि कोई अधिकाारी सेवा में उच्चतर श्रेणी में प्रतिनियुक्ति पर अवा है और पञ्चात्तवी सेवा की उनी श्रेणी में स्थायी रूप से आमेलन कर लिया जाता है तो प्रतिनियुक्ति पर बिनाई गई कालावधि की गणना अगली उच्चतर श्रेणी में प्रोत्ति पर विचार करने के लिये आवासी कालावधि के लिये की जायेगी।

(v) तथस नियुक्ति के अर्ह रहने के साथ किसी वैज्ञानिक की सेवा में नियमित नियुक्ति पर उस श्रेणी में तथस हैसियत में की गई सेवा की कालावधि की गणना आवासी कालावधि के लिये की जायेगी परस यह तब जबकि अधिकाारी का पथम प्रवास में नियमित नियुक्ति के लिये खयन कर लिया जाता है।

(vi) इन नियमों में अस्तिष्ट किसी वस के होने हुए भी न्यूनतम आवासी कालावधि में एक वर्ष का शिथिलकरण वैज्ञानिक "ग" 1 "घ" 1 "ङ" को मंजूर किया जा सकता है यदि वह उस श्रेणी में तीन कमिक गोपनीय निष्पादन मूल्यांकन रिपोर्टों में लगातार 90 प्रतिशत और उससे अधिक अंक प्राप्त कर सकता है।

(vii) इन नियमों में अस्तिष्ट किसी वस के होने हुए भी, न्यूनतम आवासी कालावधि में एक वर्ष का शिथिलकरण किसी वैज्ञानिक "च" को मंजूर किया जा सकता है यदि वह उस श्रेणी में चार कमिक गोपनीय निष्पादन मूल्यांकन रिपोर्टों में 90 प्रतिशत या उनी अधिक अंक प्राप्त करता है।

(viii) उक्त खण्ड (6) और (7) के अन्तर न्यूनतम विहित आवासी कालावधि में शिथिलकरण सेवा में किसी वैज्ञानिक के सम्पूर्ण कैरियर में दो बार तक परिसीमित होगा।

(ख) (1) वैज्ञानिक "ख" के स्तर से वैज्ञानिक "ब" के स्तर तक प्रोत्ति के लिये विधाधियों का माशाह्वार करने के लिये अनुसूची 1ग में विनिर्दिष्ट रूप में मूल्यांकन बोर्ड गठित किया जायेगा। एक निधरण बोर्ड में अधिक किया एक समय पर विभिन्न केन्द्रों में गठित किये जा सकेंगे।

(2) अनुसूची 1ग में विनिर्दिष्ट रूप में गठित पीयर समिति उन वैज्ञानिकों "ब" का मूल्यांकन करेगी जिन्होंने विहित न्यूनतम आवासी कालावधि पूरी कर ली है और जिनके बारे में आन्तरिक छंटनी समिति द्वारा अगली उच्चतर श्रेणी में प्रोत्ति के लिये मूल्यांकन के लिये सिफारिश की जाती है।

(ग) मूल्यांकन बोर्ड या पीयर समिति का निर्मा वर्ष में कम से कम एक बार या ऐसे अन्तरालों पर, जो अनुसंधान और विकास महा निदेशक द्वारा विनिर्दिष्ट किये जायें, संयोजन किया जायेगा।

(घ) वैज्ञानिक "ब" के स्तर तक प्रोत्ति के लिये वैज्ञानिकों की उपयुक्तता का मूल्यांकन करने के लिये मूल्यांकन बोर्ड, मूल्यांकन माशाह्वार से प्राप्त किये गये अंकों की और गोपनीय निष्पादन मूल्यांकन रिपोर्टों को किये गये अंकों की सान वरीयता देगा। प्राप्त किये गये अंकों के आधार पर मूल्यांकन बोर्ड प्रोत्ति के लिये "योग्य" या "अभी योग्य नहीं" के रूप में वैज्ञानिकों की सिफारिश करेगा अथवा प्रोत्ति के लिये योग्यता को एक वर्ष के लिये अस्तिष्ठ कर देगा।

(ङ) ऐसे वैज्ञानिकों "ब" की, जो आन्तरिक छंटनी समिति द्वारा पात्र घोषित किये गये हैं, वैज्ञानिकों "छ" के रूप में प्रोत्ति के लिए सिफारिश पीयर समिति द्वारा योग्यता, उपस्थितियों, व्यक्तिगत नैस्य और पञ्चात्तवी गुणों पर विचार करने के पञ्चात्तवी की जायेगी कोई मूल्यांकन माशाह्वार नहीं होगा।

(च) मूल्यांकन बोर्ड अथवा पीयर समिति की सिफारिशों को उस वर्ष की पथम जुलाई से कार्यान्वित किया जायेगा जिससे मूल्यांकन बोर्ड या पीयर समिति संबंधित है सिवाय उन मामलों के, किया जायेगा जिनमें प्रोत्ति समिति द्वारा विनिर्दिष्ट सिफारिश की गई है। यह तारीख प्रोत्ति के लिये सिफारिश किये गये सभी वैज्ञानिकों के संबंध में उस श्रेणी में उनकी ज्येष्ठता का अनुधारण करने के प्रयोजन के लिये खयन की तारीख मानी जायेगी परस यह तब जब कि वे उस तारीख को कमव्य पर हों। तथापि ऐसे वैज्ञानिक

जो उस तारीख को छुट्टी पर हों, उन श्रेणी में जिनमें वे प्रोन्नत किये गये हूँ उस तारीख से, जिसको वे कर्तव्य पर आते हैं कार्यभार ग्रहण करेंगे। किंतु इससे उनके चयन की तारीख पर अथवा उसी मूल्यांकन बोर्ड द्वारा प्रोन्नति के विदेशिकारिण किये गये अन्य वैज्ञानिकों के मुकाबले में उच्चतर श्रेणी में उनकी परस्पर प्रतियोगिता पर प्रभाव नहीं पड़ेगा। (मूल नियम 51 के अर्थ में) विदेशों में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे वैज्ञानिकों की जहाँ तक संबंध है, वे अगले उच्चतर श्रेणी में उस तारीख में प्रोन्नत किये जायेंगे जिससे वे इस प्रकार प्रोन्नत किये गये होंगे यदि वे प्रशिक्षण पर न गये होते। ऐसे निम्नलिखित शर्तों को पूरा किये जाने के अधीन रहते हुए होगा :-

- (1) ऐसे प्रशिक्षण को कालबाधित की मूल नियम 9(6)(ख) के अधीन कबूतर माना जाता है।
 - (2) उनका मूल्यांकन बोर्ड या पीयर समिति द्वारा अगली उच्चतर श्रेणी में प्रोन्नति के लिये मूल्यांकन किया जाता है और उन्हें योग्य पाया जाता है।
 - (3) किसी विशिष्ट श्रेणी में प्रोन्नति के लिये सर्वा उचित उचित उपायों को उस श्रेणी में प्रोन्नत किया जा चुका है, जिसमें उन व्यक्तियों के जिनके बारे में शिकायत की गई है कि "सर्वा योग्य नहीं है"।
 - (4) लघुसी पुरक स्कीम के अधीन किसी वैज्ञानिक के एक श्रेणी से अगली उच्चतर श्रेणी में प्रोन्नति पर उसके द्वारा जारी वारंट पर स्थान उच्च श्रेणीगत हो जायेगा, और वह उसके लिये अधिकृत होगा।
- (4) उक्त नियमों की अनुसूची 1 के स्थान पर निम्नलिखित अनुसूचियों रखी जायेगी, अर्थात् :-

अनुसूची 1क

[नियम 8(2) देखिए]

वैज्ञानिक "ख" से वैज्ञानिक "क" तक की गोपनीय निष्पादन मूल्यांकन रिपोर्टों का पुनर्विचिन्तन करने के लिये आंतरिक छटनी समिति

अपर सचिव (अनुसंधान और विकास) या मुख्य नियंत्रक, अनुसंधान और विकास	—अध्यक्ष
रक्षा अनुसंधान और विकास सगठनों की किन्हीं प्रयोगशालाओं या स्थापनों या मुख्यलयों से तीन निदेशक	—सदस्य
निदेशक, कामिक	—सदस्य
निदेशक, जनशक्ति, योजना और विकास	—सदस्य

टिप्पण—अध्यक्ष से भिन्न, समिति के किसी सदस्य की अनुपस्थिति के कारण आंतरिक छटनी समिति की कार्यवाहियाँ अविधिमान्य नहीं होंगी।

अनुसूची 1ख

[नियम 8(2) देखिए]

वैज्ञानिक "ख" की गोपनीय निष्पादन मूल्यांकन रिपोर्टों का पुनर्विचिन्तन करने के लिये आंतरिक छटनी समिति

प्रख्यात वैज्ञानिक या अपर सचिव (अनुसंधान और विकास)	—अध्यक्ष
दो मुख्य नियंत्रक, अनुसंधान और विकास	—सदस्य

टिप्पण—अध्यक्ष से भिन्न, समिति के किसी सदस्य की अनुपस्थिति के कारण आंतरिक छटनी समिति की कार्यवाहियाँ अविधिमान्य नहीं होंगी।

अनुसूची 1ग

[नियम 8(2) देखिए]

रक्षा अनुसंधान और विकास सेवा में वैज्ञानिक "घ" स्तर तक के वैज्ञानिकों की प्रोन्नति के लिये उपयुक्तता निर्धारित करने के लिये मूल्यांकन बोर्ड

- (1) अध्यक्ष या सह अध्यक्ष केन्द्रीय सरकार द्वारा नियुक्त किया जायगा।
- (2) दो ब्राह्म शिक्षा संस्थाओं, अनुसंधान और विकास सगठनों या उद्योगों से अध्यक्ष द्वारा नाम-निर्दिष्ट किये जायेंगे।
- (3) दो विभागीय सदस्य महानिदेशक, अनुसंधान और विकास द्वारा नाम-निर्दिष्ट किये जायेंगे।
- (4) प्रयोगशाला का निदेशक या उसका प्रतिनिधि।

टिप्पण: (1) मूल्यांकन बोर्ड के अध्यक्ष या सह-अध्यक्ष से भिन्न किसी सदस्य की अनुपस्थिति के कारण मूल्यांकन बोर्ड की कार्यवाहियाँ अविधिमान्य नहीं होंगी।

- (2) जहाँ वैज्ञानिकों के समुचित मूल्यांकन के लिये यह आवश्यक समझा जाय वहाँ अध्यक्ष को से अधिक बाह्य सदस्य नाम-निर्दिष्ट कर सकें।

अनुसूची 1घ

[नियम 8(2) देखिए]

रक्षा अनुसंधान और विकास सेवा में वैज्ञानिक "ब" की वैज्ञानिक "छ" के रूप में प्रोन्नति के लिये उपयुक्तता निर्धारित करने के लिये पीयर समिति

अध्यक्ष केन्द्रीय सरकार द्वारा नियुक्त किया जायेगा।

सचिव, रक्षा अनुसंधान और विकास विभाग—सदस्य

केन्द्रीय सरकार के अन्य वैज्ञानिक विभागों से कोई दो सचिव—सदस्य

राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं या शिक्षा संस्थाओं में से किसी एक से एक विद्वान वैज्ञानिक—सदस्य

केन्द्रीय सरकार के समुक्त सचिव या उसके समतुल्य प्रास्थिति का सरकारी ढांचे में वक्ष प्रवक्ष विशेषज्ञ—सदस्य

अपर सचिव (रक्षा अनुसंधान और विकास) या मुख्य नियंत्रक, रक्षा अनुसंधान और विकास—सदस्य

टिप्पण: अध्यक्ष से भिन्न पीयर समिति के किसी सदस्य की अनुपस्थिति के कारण पीयर समिति की कार्यवाहियाँ अधिमाम्य नहीं होंगी।"

[सं. डी.भार.डी.प्रो./76205/भार डी/एम.पी.डी./2947/रक्षा(भार एड डी)]

दुर्गा दास, भवर सचिव

टिप्पण : रक्षा अनुसंधान और विकास नियम, का.नि.आ. 8, तारीख 30 दिसम्बर, 1978 के रूप में भारत के राजपत्र भाग 2, खंड 4, में प्रकाशित हुए थे और तत्पश्चात् इनका निम्नलिखित द्वारा संशोधन किया गया :

का.नि.आ. 307, तारीख 10 अक्टूबर, 1980

का.नि.आ. 196, तारीख 2 अगस्त, 1982

का.नि.आ. 159, तारीख 5 मई, 1983

का.नि.आ. 176, तारीख 7 अगस्त, 1984

का.नि.आ. 228, तारीख 13 नवम्बर, 1984

का.नि.आ. 170, तारीख 12 जुलाई, 1985

का.नि.आ. 186, तारीख 2 अगस्त, 1985

का.नि.आ. 228 तारीख 6 जून, 1986

का.नि.आ. 158 तारीख 4 मई, 1987

का.नि.आ. 328 तारीख 25 सितम्बर, 1987

MINISTRY OF DEFENCE

NOTIFICATION

New Delhi, the 10th August, 1990

S.R.O. 11(E).—In exercise of powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Defence Research and Development Services Rules, 1979, namely :—

1. (1) These rules may be called Defence Research and Development Service (Amendment) Rules, 1990.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Defence Research and Development Service Rules, 1979 (hereinafter referred to as the said rules) :—

- (1) In rule 2 sub-rule (1), the following sub-rule shall be substituted, namely :—

“(1) ‘Assessment Board’ means the Board constituted under sub-rule (2) of rule 8.”

(2) In rule 2 of the said rules after clause (9), the following clauses shall be added, namely :—

“(10) ‘Internal Screening Committee’ means the Committee constituted under sub-rule (2) of rule 8 for the purpose of evaluating the confidential performance appraisal reports of scientists for promotion.

(11) “Peer Committee” means the Committee constituted under sub-rule (2) of rule 8.

(12) “Discipline” means the subject in which scientists are assessed for promotion.”

(3) In rule 8 of the said rules, for sub-rule (2), the following sub-rule shall be substituted, namely:—

“(2) (a) Promotion from one grade to the next higher grade in the service shall be made under the Flexible Complementing Scheme. Promotion upto the level of Scientist ‘F’ shall be made on the basis of evaluation of confidential performance appraisal reports and assessment interview and for Scientist ‘F’ to ‘G’ on the basis of the evaluation of confidential performance appraisal reports and assessment by a Peer Committee.

The Internal Screening Committees constituted as specified in Schedule 1A and 1B, shall review the confidential performance appraisal reports of Scientists ‘B’ on completion of minimum residency period of three years and of Scientists ‘C’, ‘D’ and ‘E’ on completion of minimum residency period of four years and of Scientists ‘F’ on completion of minimum residency period of five years as on 30th June of the year to which the assessment boards pertains. The Internal Screening Committees shall evolve its own criteria for deciding the eligibility of scientists for consideration by the Assessment Boards and award average marks for the Scientists, while deciding eligibility of scientists for assessment, the Internal Screening Committee shall follow the criteria enumerated below :—

- (i) Internal Screening shall be based on not more than last five years’ confidential performance appraisal reports in the grade and scientists securing less than 60% average marks in the confidential performance appraisal reports shall not be eligible for assessment.
- (ii) Relaxation upto three months in the qualifying service for eligibility for assessment shall be given to direct recruits or promotees who join after 1st July for reasons beyond their control.
- (iii) All kinds of leave availed except extraordinary leave on personal grounds shall count as qualifying service for eligibility for promotion.
- (iv) In case of permanent absorption, of a scientist on deputation in the same grade in Defence Research and Development Service from other Scientific Departments where Flexible Complementing Scheme is applicable, the entire service of that scientist in the same grade including in the parent department shall be counted towards residency period. If an Officer comes on deputation on a higher grade into the service and later permanently absorbed in the same grade in the service, the period spent on deputation shall be counted for residency period for consideration for promotion to the next higher grade.
- (v) On regular appointment in the service, of a scientist in continuation of adhoc appointment, the period of service rendered in adhoc capacity in the grade shall count towards residency period provided that the officer is selected for regular appointment at the first attempt.
- (vi) Notwithstanding anything contained in these rules, a relaxation of one year in the minimum residency period can be granted to or Scientist ‘C’/‘D’/‘E’ provided that he earns consistently 90% and above marks in three successive confidential performance appraisal reports in the grade.
- (vii) Notwithstanding anything contained in these rules, a relaxation of one year in the minimum residency period can be granted to a scientist ‘F’ provided that he earns consistently 90% or above mark in four successive confidential performance appraisal reports in the grade.
- (viii) Relaxation in the minimum prescribed residency period in terms of clauses (vi) and (vii) above shall be limited to two times in the entire career of any scientist in the service.

- (b) (i) The Assessment Board for interviewing candidates for promotion from the level of scientist 'B' and upto the level of Scientist 'F' shall be constituted as specified in Schedule 1C. More than one Assessment Boards may be constituted at any one time in various stations.
- (ii) A Peer Committee constituted as specified in Schedule 1D shall assess those Scientists 'F' who have completed the prescribed minimum residency period and are recommended by the Internal Screening Committee for assessment for promotion to the next higher grade.
- (c) Assessment Boards or Peer Committee shall be convened at least once in a year or at such intervals as may be specified by the Director General Research and Development.
- (d) In assessing the suitability of scientists for promotion upto the level of scientist 'F', the Assessment Board shall give equal weightage to marks obtained in the Assessment interview and to the confidential performance appraisal reports marks awarded by Internal Screening Committee. Based on the total marks obtained, the Assessment Board shall recommend scientist as 'FIT' or 'NOT YET FIT' for promotion or defer the fitness for promotion by one year.
- (e) Recommendations for promotion of Scientists 'F', who have been declared eligible by the Internal Screening Committee to Scientists 'G' shall be made by the Peer Committee taking into consideration merit, achievements, personality, leadership and managerial qualities etc. There shall be no assessment interview.
- (f) Recommendations of the Assessment Boards or Peer Committee shall be implemented from first July of the year to which the Assessment Board or Peer Committee pertains except in those cases where specific recommendations are made by the Assessment Boards or Peer Committee regarding effective date of promotion. This date shall be treated as the date of selection for the purpose of determining their seniority in the grade in respect of all scientists cleared for promotion provided they are on duty on that date. However, scientists who are away on leave on the date, shall assume charge in the grade to which they are promoted with effect from the date they resume duty but this shall not affect their 'date of selection' or their inter-se seniority in the higher grade vis-a-vis the other scientists cleared for promotion by the same Assessment Board. In so far as scientists undergoing training abroad (under Fundamental Rule 51), they shall be promoted to the next higher grade with effect from the date they would have been so promoted had they not proceeded on training, subject to the following conditions being fulfilled :
- (i) The period of such training is treated as duty under Fundamental Rule 9(6)(b);
- (ii) They have been assessed and found fit for promotion to the next higher grade by the Assessment Board or Peer Committee.
- (iii) All the seniors, except those recommended as 'Not' Yet Fit' for promotion to the particular grade, available have been promoted to that grade.
- (g) Under Flexible Complementing Scheme, on promotion of a scientist from one grade to the next higher grade, the post held by him shall stand upgraded automatically and personal to him.
- (h) For Schedule I the said rules the following Schedules shall be substituted, namely :—

SCHEDULE 1

[See rule 8(2)]

The Internal Screening Committee to review the confidential performance appraisal reports to Scientist 'B' to Scientist 'E'—

Additional Secretary (Research and Development) or Chief Controller Research and Development — Chairperson.

Three Directors from any Defence Research and Development Organisation Laboratories or Establishments or Headquarters. — Members

Director of Personnel —Member

Director Manpower Planning and Development. — Member

NOTE : The absence of any member of the Committee other than the Chairperson shall not invalidate the proceedings of the Internal Screening Committee.

SCHEDULE 1B

[See rule 8(2)]

The Internal Screening Committee to review confidential performance appraisal reports of Scientist 'F'.

Distinguished Scientist or Additional Secretary (Research and Development) --- Chairperson.

Two Chief Controllers Research and Development --- Members.

NOTE : The absence of any member of the Committee other than the Chairperson shall not invalidate the proceedings of the Internal Screening Committee.

SCHEDULE 1C

[See rule 8(2)]

The Assessment Board for assessing suitability of scientists for promotion, upto Scientist 'F' level in Defence Research and Development Service.

(i) Chairperson To be appointed by the Central Government.

OR

Co-Chairperson To be appointed by the Chairperson from a panel approved by the Central Government

(ii) Two External Members. To be nominated by the Chairperson from Academic Institutions Research and Development Organisations or Industries.

(iii) Two Departmental Members To be nominated by Director General Research and Development.

(iv) Director of the Laboratory or its representative.

NOTE : (i) The absence of any member of the Assessment Board other than the Chairperson or Co-Chairperson shall not invalidate the proceedings of the Assessment Board.

(ii) Chairperson can nominate more than two external members wherever it is considered necessary for proper evaluation of scientists.

SCHEDULE 1D

[See rule 8(2)]

The Peer Committee for assessing suitability of Scientist 'F' for promotion to Scientist 'G' in Defence Research and Development Service.

Chairman	To be appointed by the Central Govt.
Secretary, Department of Defence Research and Development	---Member.
Any two Secretaries from other Scientific Departments of the Central Government.	--- Member.
One eminent scientist from any one of the National Laboratories or Academic Institutions.	----Member.
Management Specialist well versed in the Government Frame work of the status of Joint Secretary to the Central Government or its equivalent.	Member.
Additional Secretary (Defence Research and Development) or Chief Controller Research and Development.	--- Member.

NOTE : The absence of any member of the Peer Committee other than the Chairperson shall not invalidate the proceedings of the Peer Committee.

[No. DRDO/76205/RD/MPD-2/2947/D(R & D)]

DURGA DAS. Under Secy.

NOTE : The Defence Research and Development Service Rules published in the Gazette of India Part II, Section 4, vide S.R.O. 8 dated the 30th December 1978, have been amended vide S.R.O. 307 dated the 10th October 1980, S.R.O. 196 dated the 2nd August 1982, S.R.O. 159 dated the 5th May 1983, S.R.O. 176 dated the 7th August 1984, S.R.O. 228 dated the 13th November 1984, S.R.O. 170 dated the 12th July 1985, S.R.O. 186 dated the 2nd August 1985, S.R.O. 228 dated the 6th June 1986, S.R.O. 158 dated the 4th May 1987 and S.R.O. 328 dated the 25th September 1987.